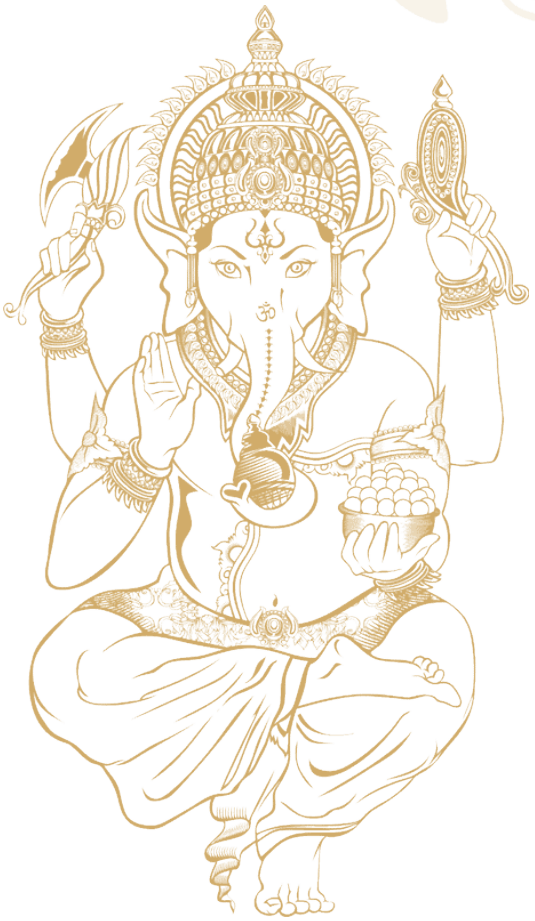

22 Dec 2003

12:30 AM

Jhansi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121069704

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**21-22/12/2003**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**00:30:00 घंटे**
इष्ट	43:51:57 घटी
स्थान	**Jhansi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	78:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:14:16 घंटे
वेलान्तर	00:02:11 घंटे
साम्पातिक काल	06:14:01 घंटे
सूर्योदय	06:57:13 घंटे
सूर्यास्त	17:30:04 घंटे
दिनमान	10:32:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	05:34:44 धनु
लग्न के अंश	09:15:12 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शूल
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नू-नूतन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	09:15:12	326:03:30	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	---
सूर्य			धनु	05:34:44	01:01:07	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	12:49:10	15:04:33	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	नीच राशि
मंगल			मीन	09:08:49	00:35:22	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	मित्र राशि
बुध	व	अ	धनु	17:02:28	00:47:14	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	सम राशि
गुरु			सिंह	24:42:59	00:02:31	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
शुक्र			मक	06:43:55	01:14:04	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
शनि	व		मिथु	16:40:41	00:04:49	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	26:02:11	00:02:15	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	26:02:11	00:02:15	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	सम राशि
हर्ष			कुंभ	05:45:59	00:02:06	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	---
नेप			मक	17:27:10	00:01:48	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	26:12:34	00:02:15	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			मिथु	09:18:11	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:32

लग्न-चलित

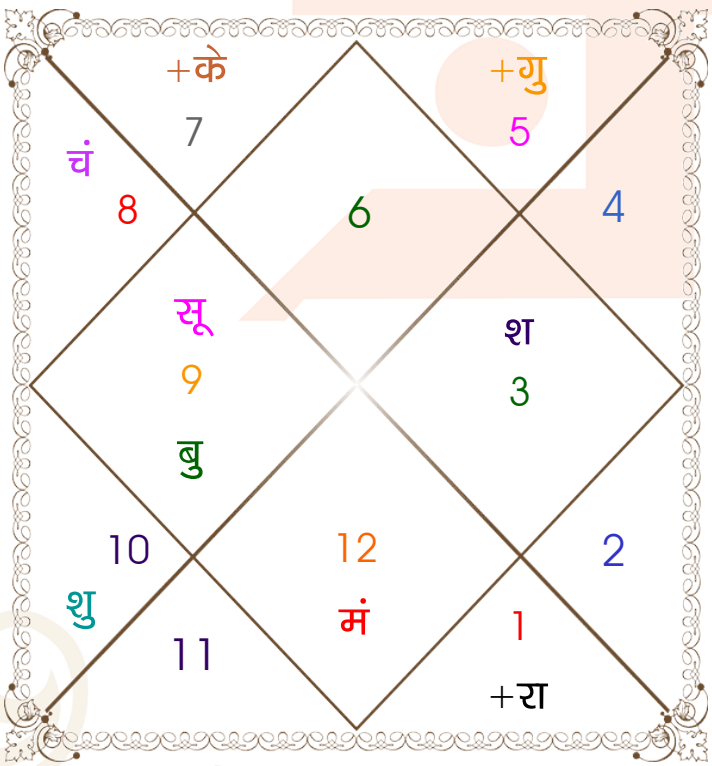

चन्द्र कुंडली

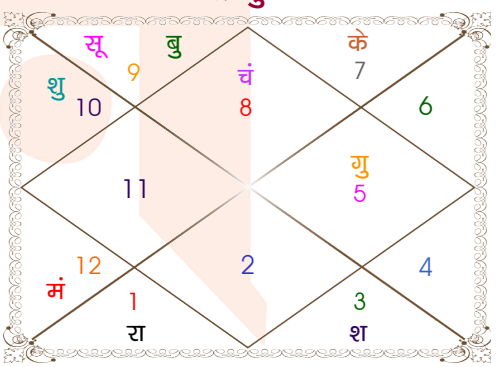

नवमांश कुंडली

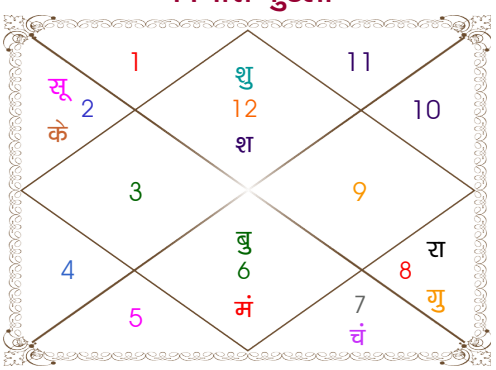

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 5 वर्ष 5 मास 24 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
22/12/2003		15/06/2009		15/06/2026		15/06/2033		15/06/2053	
15/06/2009		15/06/2026		15/06/2033		15/06/2053		15/06/2059	
	00/00/0000	बुध	12/11/2011	केतु	11/11/2026	शुक्र	14/10/2036	सूर्य	03/10/2053
	00/00/0000	केतु	08/11/2012	शुक्र	12/01/2028	सूर्य	15/10/2037	चंद्र	03/04/2054
	00/00/0000	शुक्र	09/09/2015	सूर्य	18/05/2028	चंद्र	15/06/2039	मंगल	09/08/2054
	00/00/0000	सूर्य	15/07/2016	चंद्र	17/12/2028	मंगल	15/08/2040	राहु	04/07/2055
	00/00/0000	चंद्र	15/12/2017	मंगल	16/05/2029	राहु	15/08/2043	गुरु	21/04/2056
	22/12/2003	मंगल	12/12/2018	राहु	03/06/2030	गुरु	15/04/2046	शनि	03/04/2057
मंगल	27/01/2004	राहु	30/06/2021	गुरु	10/05/2031	शनि	15/06/2049	बुध	07/02/2058
राहु	03/12/2006	गुरु	06/10/2023	शनि	18/06/2032	बुध	15/04/2052	केतु	15/06/2058
गुरु	15/06/2009	शनि	15/06/2026	बुध	15/06/2033	केतु	15/06/2053	शुक्र	15/06/2059

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
15/06/2059		15/06/2069		15/06/2076		15/06/2094		16/06/2110	
15/06/2069		15/06/2076		15/06/2094		16/06/2110		00/00/0000	
चंद्र	15/04/2060	मंगल	11/11/2069	राहु	26/02/2079	गुरु	02/08/2096	शनि	19/06/2113
मंगल	14/11/2060	राहु	30/11/2070	गुरु	22/07/2081	शनि	14/02/2099	बुध	27/02/2116
राहु	16/05/2062	गुरु	06/11/2071	शनि	27/05/2084	बुध	23/05/2101	केतु	07/04/2117
गुरु	15/09/2063	शनि	14/12/2072	बुध	15/12/2086	केतु	29/04/2102	शुक्र	07/06/2120
शनि	15/04/2065	बुध	12/12/2073	केतु	02/01/2088	शुक्र	28/12/2104	सूर्य	20/05/2121
बुध	15/09/2066	केतु	10/05/2074	शुक्र	02/01/2091	सूर्य	16/10/2105	चंद्र	19/12/2122
केतु	16/04/2067	शुक्र	10/07/2075	सूर्य	27/11/2091	चंद्र	15/02/2107	मंगल	23/12/2123
शुक्र	14/12/2068	सूर्य	15/11/2075	चंद्र	28/05/2093	मंगल	22/01/2108		00/00/0000
सूर्य	15/06/2069	चंद्र	15/06/2076	मंगल	15/06/2094	राहु	16/06/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 5 वर्ष 5 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के चत्तुर्थ चरण में कन्या राशि के लग्नोदय काल हुआ था। ज्योतिषीय स्वरूप से आपके जन्मलग्न के समय मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आप मात्र धन सम्पति प्राप्त करने के लिए अभिलाषी नहीं है। बल्कि आपकी अभिरूचि धार्मिक भी है। इस अध्यात्मिक झुकाव के परिणाम स्वरूप आप अनेक तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगी।

आप निश्चित रूप से कठिन श्रम के प्रति समर्पित प्राणी हैं। फलस्वरूप आप धनी सुखी और सम्पत्तिवान प्राणी होंगी। इस समर्पण की भावना से आप बहुत कुछ कर गुजारने हेतु प्रस्तुत है। जैसे जो आपको आवश्यकता पड़ने पर आपकी मदद किया है आप उनको भी अपनी मिथ्याचारी भावना से धोखा दे सकती हैं।

आप प्रेरित होकर सही दिशा में चलते रहेंगी। ग्रह के योग यह प्रदर्शित करते हैं कि आप को अपने जीवन के उत्थान पतन का अच्छा अनुभव प्राप्त होगा। लेकिन आप पूर्व समय की अकर्मण्यता को त्याग कर अपने समय का सदुपयोग सामान्य ज्ञान के आधार पर आपनी स्पन्दित आदतों को त्याग सकती हैं। आप अपनी योजना एवं कार्यकलाप के सम्बन्ध में सावधानी पूर्वक कार्यारम्भ के पूर्व निर्णय लेकर पुनः कार्यारम्भ करे तो श्रेयष्कर होगा। दूसरी बात यह है कि आप कन्या राशीय स्वभाव के अनुसार कार्य प्रारम्भ करते समय ही निर्णय लेती है और कार्य के पीछे पड़ जाती है। आपके उद्देश्य के अनुसार प्रथम रीति के अनुसार ही कार्य करना उत्तम विद्या है।

आप बुद्धिमान स्तर की प्राणी है। अतएव आप दूसरों की गलती को उजागर करती हैं। यह बिन्दु दूसरों के लिए क्रोध उत्पन्न कराने वाला कष्टप्रद होता है। आप अपने मित्रों के साथ भी सौदेबाजी करती हैं। इस परिस्थिति में कुछ लोग आपके शत्रु होकर आपकी व्यवस्था को अस्त व्यस्त कर आपके विरुद्ध न्यायालय में भी कोई बयान दे सकते हैं। आप इस प्रकार की आकस्मिक आपदा में धैर्य धारण करने की शिक्षा ग्रहण करें।

इस प्रकार अपनी प्रवृति में बदलाव लाना आपके लिए कठिन साध्य है। आपके लिए अच्छा कार्य व्यवसायों में औडिट, परीक्षक, अथवा आय से सम्बन्धित ऑफिस कार्य करना उपयुक्त है। आप उत्तम व्यवसाय हेतु लेखा निरीक्षक का कार्य कर सकती हैं क्योंकि आप में वाणिज्य-व्यवसाय करने की प्रतिभा है।

यदा-कदा आप अपने धन का निवेश व्यावसायिकी सट्टेबाजी या शेयर प्राप्ति में व्यय कर सकती हैं। आपके लिए धीरे-धीरे चलना उत्तम है बल्कि आपके द्वारा किया गया धन निवेश की वापसी यदा कदा बहुतायत अंश में होगा।

आप अपने घर परिवार के लिए बहुत भाग्यशाली हैं। आप के प्यारे पति भगवान की देन प्रमाणित होंगे। उनके द्वारा आपको अच्छी सन्तान की प्राप्ति होगी जों अपने जीवन में

अच्छी तरह सुव्यवस्थित हो जाएंगे। इसलिए आपका अपनी वासनात्मक प्रवृति के प्रति बदलाव लाना अच्छा होगा। ताकि आप अन्य के साथ शारीरिक सम्बंध स्थापित न करे। अन्यथा आप इस प्रकार कामुक प्राणियों में विख्यात हो जाएंगी।

आप निःसंदेह दीर्धायु होकर बहुत दिनों तक उत्तम स्वास्थ्य का आनन्द प्राप्त करेंगी। परन्तु आपके अधिक कामुक हो जाने पर रोग के प्रभाव से आपका शारीरिक ह्रास हो जाएगा तथा आप पीठ की हड्डियों के कष्ट तथा रक्तचाप के रोग से अक्रान्त हो सकती हैं। यदि आप प्रारम्भिक अवस्था से उत्तम अंगीकृत करें। अपने आहार व्यवहार को नियंत्रित रखें तो शाकाहार ग्रहण करें एवं मद्यपाण का त्याग कर दें तो आपका स्वास्थ्य उत्तम तथा बहुत अच्छा रहेंगा।

आपका भाग्यशाली अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है तथा आपके लिए उत्तम है।

आपके जीवन में रंग प्रदर्शन का बड़ा भाड़ी महत्त्व है। आपके लिए उत्तम रंग सफेद, सुआपंखी, पीला एवं हरा रंग अनुकूल एवं फलदायी है। आपको रंग लाल, नीला एवं काले रंग का परित्याग कर देना चाहिए क्योंकि ये रंग आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।